











## आयुष्मान भारत योजना का विस्तार

'आयुष्मान भारत योजना' का विस्तार करते हुए केंद्रीय कैबिनेट ने इसमें 70 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों को शामिल किया है। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इस योजना का विस्तार 70 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी नागरिकों के लिए किया गया है, भले ही उनकी आय या सामाजिक स्तर कुछ भी हो। यह नियंत्रण प्रधानमंत्री ने इसे वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्यरक्षा में व्यापक बदलाव आयाएँ। इससे उन करोड़ों लोगों को बढ़ती क्षमता राहत मिलेगी जो द्वारा अपनी वीमा कवरेज के कारण परेशानियों का सामना कर रहे थे। पांच साल पहले शुरू होने के बाद से 'आयुष्मान भारत' ने भारत में करोड़ों लोगों की स्वास्थ्यरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित की है, जिसमें अस्पताल में भर्ती होना शामिल है। इससे उन परिवारों को इलाज मिल रहा है जो पहले महंगी चिकित्सा नहीं कर पाते थे। डेटा से स्पष्ट है कि इस योजना के अंतर्गत अस्पताल में भर्ती होने वाला हर चौथा वरिष्ठ नागरिक है। भर्ती होने वाले एक करोड़ लोगों में से 24 प्रतिशत नागरिकों की आयु 60 साल या इससे अधिक है। इससे स्पष्ट है कि उनको 'सुरक्षा संजाल' की बहुत आवश्यकता है।

कवरेज का विस्तार 70 वर्ष से अधिक आयुर्वाच वाले सभी नागरिकों तक करने का नवीनतम नियंत्रण महत्वपूर्ण है क्योंकि इस आयुर्वाच वालों की अवसर निजी वीमाओं द्वारा अनेकों की जीती है। अधिकांश स्वास्थ्य वीमा कंपनियों 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले लोगों की वीमा देने से इनकार करती हैं या इसके लिए मनमाना प्रीमियम घाँटी है। बीमा उपलब्ध होने पर भी पूर्व-नियंत्रित शर्तें अक्सर लोगों को पहले दो या तीन साल इससे बाहर रखती हैं। इसके कारण अनेक वरिष्ठ नागरिकों को मंथनी वीमायों, जैसे हृदय रोग, किंडनी समस्याओं और मधुमेह के लिए तत्काल इलाज तक पहुंच नहीं हो पाती है। नई नीति से 70 वर्ष से अधिक आयु वाले लगभग 6 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक स्वास्थ्य वीमा कवरेज से लाभ होने की आशा है। यह परिवार के आधार पर लागू होगा।

इससे सुनिश्चित होगा कि परिवारों द्वारा परिवर्तन या विरोध काटनाइयों का सामना करने वाले लोगों को भी आयु सुपूर्ण या सस्ती चिकित्सा तक पहुंच दिलायी जाए। 70 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी नागरिकों तक आयुष्मान भारत योजना का विस्तार उत्तिर समय पर हुआ है। डायलिसिस, हृदय सर्जरी व कैंसर चिकित्सा जैसी प्रक्रियायें ने केवल मंथनी हैं, बल्कि अक्सर वरिष्ठ नागरिकों को इसकी जरूरत पड़ती है। नई नीति उन वर्षों नागरिकों को सुक्ष्म संजाल प्रदान करती है जिनको अब तक खर्चों का बोझ स्वयं वहन करना पड़ता था। आयुर्वाच सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सहाय रहना पड़ता था। आयुष्मान भारत के अंतर्गत 5 लाख की कवरेज से वित्तीय बोझ काफी घटेगा जिससे परिवारों को बिना अपनी बचत की चिन्ना किए गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्यरक्षा की पहुंच सुनिश्चित होगी। प्रत्यक्ष चिकित्सा लाभों के अलावा इस नीति के दूरगामी सामाजिक प्रभाव होंगे। ग्रामीण या अधिक रूप से कमज़ोर क्षेत्रों में भारत के वरिष्ठ नागरिकों को अक्सर अनेकों तथा लोगों का सामना करना पड़ता था। इस नीति से बेहतर स्वास्थ्यरक्षा परिणामों के साथ करोड़ों वरिष्ठ नागरिकों को गरिमा और सुरक्षा ऐसे समय सुनिश्चित होगी। जब उनको इसकी सर्वाधिक आवश्यकता हो। इसका व्यापक प्रभाव परिवारों, समुदायों और स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था पर पड़ेगा। यह सबके लिए समावेशी व सुगम पहुंच वाली स्वास्थ्यरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

लोगों के विवरों में राजभाषा आयोग के

सुनने को मिलेगी। भाषा और लिपि का अन्योन्यत्रित सम्बन्ध कहा जाता है। सच तो यह है कि भाषा पूर्ण शुद्धता के साथ अपनी लिपि में ही पढ़ी जा सकती है। आचार्य विनोद भावे जनक भर देवनारी लिपि की वैज्ञानिका और उसका महत्व को समझाते रहे पर यिन्होंने वाले बढ़ोंगे ये देवनारी के लिए हिंदी रोमन लिपि में लिखे और पढ़ते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। मराठी, नरपति नाहार, चद बदाई, जायसी, तुलसी, सुरदास, नन्दादास, मतिराम, पद्माकर, केशवदास, विद्यापति, भिवारी थाकुर, प्रेमचंद, जय शंकर प्रसाद, निराला का महत्वपूर्ण खान रहा है। लोकिन अनेक संस्थानों में हिंदी लिपि का व्यापक उपयोग होता है। विद्यार्थी ने वाले लोगों को बढ़ावा दिलाया है। इसके लिए एक रोमांस्क भाषा का अनुवाद देखें। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल पर बात करने वालों की संख्या की तुलना की कोई सोच ही नहीं सकता। वादासपै ईमेल पर भी हिंदी का बढ़ावा प्रभाव भारत में स्पष्ट दिखा रहा है।

हिंदी भाषा भाषियों की संख्या पहले से आज सरकारी अंकड़ों किनी कम हो गई है यह जनकर आपको विस्मय होगा।

भाषावैज्ञानिकों की दृष्टि में हिंदी की 17 प्रधान उप-भाषाएँ बताई गई हैं जिनमें राजस्थानी, पूर्वी हिंदी, पश्चिमी हिंदी, विहारी और पहाड़ी की गणना होती है। मराठी, नरपति नाहार, चद बदाई, जायसी, तुलसी, सुरदास, नन्दादास, मतिराम, पद्माकर, केशवदास, विद्यापति, भिवारी थाकुर, प्रेमचंद, जय शंकर प्रसाद, निराला का महत्वपूर्ण खान रहा है। लोकिन अनेक संस्थानों में हिंदी लिपि का व्यापक उपयोग होता है। विद्यार्थी ने वाले लोगों को बढ़ावा दिलाया है। इसके लिए हिंदी रोमन लिपि में लिखे और पढ़ते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल पर बात करने वालों की संख्या की तुलना की कोई सोच ही नहीं सकता। वादासपै ईमेल पर भी हिंदी का बढ़ावा प्रभाव भारत में स्पष्ट दिखा रहा है।

हिंदी भाषा भाषियों की संख्या पहले से आज सरकारी अंकड़ों किनी कम हो गई है यह जनकर आपको विस्मय होगा।

भाषावैज्ञानिकों की दृष्टि में हिंदी की 17

प्रधान उप-भाषाएँ बताई गई हैं जिनमें राजस्थानी, पूर्वी हिंदी, पश्चिमी हिंदी, विहारी और पहाड़ी की गणना होती है।

मराठी, नरपति नाहार, चद बदाई, जायसी, तुलसी, सुरदास, नन्दादास, मतिराम, पद्माकर, केशवदास, विद्यापति, भिवारी थाकुर, प्रेमचंद, जय शंकर प्रसाद, निराला का महत्वपूर्ण खान रहा है। लोकिन अनेक संस्थानों में हिंदी लिपि का व्यापक उपयोग होता है। विद्यार्थी ने वाले लोगों को बढ़ावा दिलाया है। इसके लिए हिंदी रोमन लिपि में लिखे और पढ़ते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल पर बात करने वालों की संख्या की तुलना की कोई सोच ही नहीं सकता। वादासपै ईमेल पर भी हिंदी का बढ़ावा प्रभाव भारत में स्पष्ट दिखा रहा है।

हिंदी में योग्यक सुविधाओं का दिन प्रतिदिन विकास हो रहा है लोकिन हमारा ध्यान मानकीकरण पर उतन नहीं है मुझे विश्वास है कि भारत का तकनीकी ज्ञान हिंदी को समझौते करने वाले देखते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल पर बात करने वालों की संख्या की तुलना की कोई सोच ही नहीं सकता। वादासपै ईमेल पर भी हिंदी का बढ़ावा प्रभाव भारत में स्पष्ट दिखा रहा है।

हिंदी में योग्यक सुविधाओं का दिन प्रतिदिन विकास हो रहा है लोकिन हमारा ध्यान मानकीकरण पर उतन नहीं है मुझे विश्वास है कि भारत का तकनीकी ज्ञान हिंदी को समझौते करने वाले देखते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल पर बात करने वालों की संख्या की तुलना की कोई सोच ही नहीं सकता। वादासपै ईमेल पर भी हिंदी का बढ़ावा प्रभाव भारत में स्पष्ट दिखा रहा है।

हिंदी में योग्यक सुविधाओं का दिन प्रतिदिन विकास हो रहा है लोकिन हमारा ध्यान मानकीकरण पर उतन नहीं है मुझे विश्वास है कि भारत का तकनीकी ज्ञान हिंदी को समझौते करने वाले देखते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल पर बात करने वालों की संख्या की तुलना की कोई सोच ही नहीं सकता। वादासपै ईमेल पर भी हिंदी का बढ़ावा प्रभाव भारत में स्पष्ट दिखा रहा है।

हिंदी में योग्यक सुविधाओं का दिन प्रतिदिन विकास हो रहा है लोकिन हमारा ध्यान मानकीकरण पर उतन नहीं है मुझे विश्वास है कि भारत का तकनीकी ज्ञान हिंदी को समझौते करने वाले देखते हैं। वैलीवुड की लोकोन्नाम अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने हिंदी संवादों का अभ्यास रोमन लिपि में लिखती तेजोंका गोदान देती हैं। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में मोबाइल प











